पिछले एक वर्ष के रेकॉर्ड समय में ₹9889.53 हजार करोड़ की 20 औद्योगिक इकाइयों को उत्तर प्रदेश सरकार ने दिए लेटर ऑफ कंफर्ट

सर्वाधिक निवेश के साथ पूर्वांचल को मिले सर्वाधिक लेटर ऑफ कंफर्ट

- ***साकार रूप लेती निवेश परियोजनाएं, खुले हज़ारों नौकरियों के द्वार***
- ***उत्तर* प्रदेश में हुए बृहद, मेगा व सुपर मेगा श्रेणियों में निवेश**

लखनऊ, जुलाई 12, 2024 - उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य को प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करते हुए पिछले एक वर्ष की अल्प अवधि में **20 औद्योगिक इकाइयों** को **लेटर ऑफ कम्फर्ट** (एलओसी) जारी किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में निवेश की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा प्रदेशवासियों को रोजगार मिलेगा। इन 20 इकाइयों में से 7 **सुपर मेगा** श्रेणी *(₹500 करोड़ या उससे अधिक किन्तु ₹3000 करोड़ से कम निवेश)* के अंतर्गत, 6 **मेगा** श्रेणी *(₹200 करोड़ या उससे अधिक किन्तु ₹500 करोड़ से कम निवेश)* के अंतर्गत तथा 7 **वृहद** (बड़ी) श्रेणी *(₹50 करोड़ या उससे अधिक किन्तु ₹200 करोड़ से कम निवेश)* के अंतर्गत आती हैं।

'लेटर ऑफ कम्फर्ट' एक विशेष योजना के तहत पात्रता मानदंड और अन्य स्वीकार्यता प्राविधानों को पूरा करने वाली निवेश परियोजनाओं को प्रोत्साहन-लाभ प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की संप्रभु प्रतिबद्धता का द्योतक होता है।

राज्य सरकार ने **उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022** के तहत उल्लिखित मानकों को पूरा करने वाले निवेशकों को छूट और प्रतिपूर्ति चाहने वाली औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए जाते हैं, प्रदेश की औद्योगिक नीति के अंतर्गत पूंजीगत सब्सिडी और शुद्ध एसजीएसटी प्रतिपूर्ति जैसे कई प्रोत्साहन लाभ प्रदान किए जाते हैं। ये रियायतें कंपनियों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की गहन समीक्षा के बाद प्रदान की जाती हैं।

खास बात यह है कि लेटर ऑफ कंफर्ट प्राप्त करने में पूर्व में आर्थिक रूप से पिछड़ा **पूर्वांचल** क्षेत्र लगभग ₹4182.17 करोड़ की सात निवेश परियोजनाओं के साथ सबसे आगे है, इसके बाद **पश्चिमांचल** क्षेत्र है, जहां कुल लगभग ₹3380.31 करोड़ के आठ निवेश परियोजनाओं ने लेटर ऑफ कंफर्ट हासिल किए हैं। **मध्यांचल** के हिस्से में कुल लगभग ₹1830.48 करोड़ के निवेश के साथ चार औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कंफर्ट दिए गए हैं, जबकि **बुंदेलखंड** में लगभग ₹496.57 करोड़ की एक औद्योगिक इकाई को लेटर ऑफ कंफर्ट मिल है। ***(कृपया सेक्टर-वार और क्षेत्र-वार विवरण के लिए संलग्न तालिका देखें।)***

निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किए जाने पर टिप्पणी करते हुए **मुख्य सचिव सह अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह** ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन के प्रति उत्तर प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, *"ये लेटर्स ऑफ़ कंफर्ट औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के प्रति हमारे प्रयासों को दर्शाते हैं। ऐसी बड़ी परियोजनाओं के साकार रूप देते हुए हमें आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और रोजगार के नये अवसर सृजित करना है।"* इसके साथ ही उन्होंने लेटर्स ऑफ़ कंफर्ट को निवेश प्रकिया को सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया जिससे उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षित होगा तथा राज्य को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

सुपर मेगा श्रेणी के अंतर्गत जिन सात परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) प्राप्त हुआ है, उनमें प्रयागराज, अमेठी और गोरखपुर में वरुण बेवरेजेज की तीन अलग-अलग इकाइयां; श्री सीमेंट (एटा); बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (वाराणसी); आईटीसी (हरदोई); तथा एबी मौरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पीलीभीत) शामिल हैं। इनमें से वरुण बेवरेजेज, श्री सीमेंट और आईटीसी को शुद्ध एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति मिलेगी, जबकि बनासकांठा और एबी मौरी को पूंजीगत सब्सिडी मिलेगी। ये सातों सुपर मेगा इकाइयां मिलकर राज्य में लगभग ₹6,381.52 करोड़ का निवेश करेंगी।

मेगा श्रेणी के अंतर्गत वरुण बेवरेजेस का चित्रकूट प्लांट तथा कनोडिया सीमेंट की बुलंदशहर व प्रतापगढ़ की इकाइयों को एसजीएसटी प्रतिपूर्ति मिलेगी, जबकि बालाजी वेफर्स के हरदोई प्लांट, अमरोहा में आरएसीएल आरएसीएल गियरटेक की विस्तार इकाई और एचएल एग्रो की कानपुर देहात वाली इकाई को पूंजीगत सब्सिडी के अंतर्गत लाभ मिलेगा। इन 6 इकाइयों द्वारा किया गया कुल निवेश लगभग ₹2,649.13 करोड़ है।

सीतापुर में स्थापित डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज की विस्तार इकाई, सीपी मिल्क एवं फ़ूड प्रोडक्ट्स (गोरखपुर); महामाया इस्पात एंड अलॉय प्राइवेट लिमिटेड (मिर्जापुर), श्री सिद्धबली स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (मुजफ्फरनगर), एलियांज डिस्टिलरी लिमिटेड (मथुरा), क्रीमी फूड्स लिमिटेड (विस्तार इकाई - बुलन्दशहर) तथा अम्बा शक्ति स्टील्स लिमिटेड (विस्तार इकाई - मुजफ्फरनगर) ने कुल मिलकर ₹858.72 करोड़ का निवेश किया। ये सात इकाइयां **वृहद** श्रेणी के अंतर्गत लाभान्वित हुई हैं। डालमिया भारत शुगर को पूंजीगत सब्सिडी प्राप्त होगी, जबकि 6 अन्य कंपनियों को एसजीएसटी प्रतिपूर्ति का लाभ मिलेगा।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अंतर्गत 'इन्वेस्ट यूपी' निवेशकों को आवश्यक सहायता प्रदान करती है तथा निवेश प्रस्तावों के मूल्याँकन में प्रमुख भूमिका निभाती है।

पूर्वांचल

क्र. सं.	परियोजना	श्रेणी	निवेश (₹ करोड़ में)	सेक्टर	जनपद
1	वरुण बेवेरेज्स	सुपर मेगा	1116.86	खाद्य-प्रसंस्करण	प्रयागराज
2	वरुण बेवेरेज्स	सुपर मेगा	780.43	खाद्य-प्रसंस्करण	अमेठी
3	वरुण बेवेरेज्स	सुपर मेगा	1052.56	खाद्य-प्रसंस्करण	गोरखपुर
4	कनोडिया सेम प्राइवेट लिमिटेड	मेगा	452.75	मैन्युफैक्चरिंग	प्रतापगढ़
5	बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ	सुपर मेगा	618.15	डेयरी	वाराणसी
6	मॉ महामाया इस्पात एंड एलॉय प्राइवेट लिमिटेड	वृहद	77. 15	मैन्युफैक्चरिंग	मिर्जापुर
7	सी पी मिल्क एंड फूड प्रोडक्टस प्रा. लि.	वृहद	84.27	डेयरी	गोरखपुर

पश्चिमांचल

1	श्री सीमेंट नॉर्थ प्राइवेट लिमिटेड	सुपर मेगा	1016.6	मैन्युफैक्चरिंग	एटा
2	अम्बा शक्ति स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड	वृहद	111.95	मैन्युफैक्चरिंग	मुजफ्फरनगर
3	कनोडिया सेम प्राइवेट लिमिटेड	मेगा	452.75	मैन्युफैक्चरिंग	बुलंदशहर
4	क्रीमी फूड्स लिमिटेड	वृहद	192	खाद्य-प्रसंस्करण	बुलंदशहर
5	आरएसीएल गीयरटेक	मेगा	250	मैन्युफैक्चरिंग	अमरोहा
6	एलायंज़ डिस्टिलरी लिमिटेड	वृहद	157.98	जैव-ईंधन	मथुरा
7	एबी मौरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	सुपर मेगा	1133.67	खाद्य प्रसंस्करण	पीलीभीत
8	श्री सिधबली स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड	वृहद	65.36	मैन्युफैक्चरिंग	मुजफ्फरनगर

मध्यांचाल

1	बालाजी वेफ़ेर्स प्राइवेट लिमिटेड	मेगा	497.24	खाद्य प्रसंस्करण	हरदोई
2	एचएल एग्रो प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड	मेगा	500	खाद्य प्रसंस्करण	कानपुर देहात
3	आईटीसी लिमिटेड	सुपर मेगा	663. 24	खाद्य प्रसंस्करण	हरदोई
4	डालमिया चीनी मिल्स ग्रेन डिस्टिलरी	वृहद	170	जैव-ईंधन	सीतापुर

बुंदेलखंड

1	वरुण बेवेरेजेस	मेगा	496.57	खाद्य-प्रसंस्करण	चित्रकूट